जपले माला सांझ सवेरे एक माला हरि नाम की भजन लिरिक्स

जपले माला सांझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की,
जिस माला में हरि का भजन नहीं,
वह माला किस काम की।bd।

राम के बल से हनुमान ने,
सागर शीला तिराई जी,
शक्तिबाण लगो लक्ष्मण के,
बुटी लाय पिलाई जी,
जपले माला साँझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की।bd।

राम के बल पर अंगद ने रे,
रावण को ललकारा जी,
भरी सभा में जाकर उन्होंने,
अपना पांव जमाया जी,
जपले माला साँझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की।bd।

एक माला भाई मैया जानकी,
हनुमान को दान की,
तोड़ तोड़ कर उस माला को,
भूमि पर वो डाल दी,
सीना फाड़ दिखा दिया जी,
मुरत सीताराम की,
जपले माला साँझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की।bd।

भगति हो तो हनुमत जैसी,
सीता की सुध लायो जी,
तुलसी दास आस रघुवर की,
हरख हरख गुण गायो जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जपले माला साँझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की।bd।

जपले माला सांझ सवेरे,
एक माला हरि नाम की,
जिस माला में हरि का भजन नहीं,
वह माला किस काम की।bd।

गायक – महावीर जी राजपुरोहित।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा।
9024909170

यह भी देखे – हरी नाम की माला जपले।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com